PHOTO STORY
E-MAGAZINE

EXCLUSIVE

PROMPTOGRAPHY
जहाँ कल्पना से बनती है फोटो

> “PROMPTOGRAPHY मेरे लिए सिर्फ तकनीक नहीं,
> बल्कि कल्पना, संवेदना और तकनीक का संगम है,
> जहाँ इंसान की सोच ही असली कैमरा है।”
>
> **-ज्योतिर्मय यादव**
> Photographer & Promptographer

डिजिटल युग में जब Artificial Intelligence तेजी से हमारी रचनात्मक दुनिया को बदल रहा है, तब फोटोग्राफी की पारंपरिक सीमाओं से आगे निकलकर एक नई अवधारणा जन्म ले रही है — PROMPTOGRAPHY यह केवल एक तकनीक नहीं, बल्कि सोच, कल्पना और विज़ुअल अभिव्यक्ति का ऐसा आधुनिक माध्यम है, जहाँ कैमरे की जगह शब्द लेते हैं और कल्पनाएँ सीधे चित्रों में बदल जाती हैं।

PHOTO STORY
E-MAGAZINE

इस नई अवधारणा के विकसित के बाद से विज़ुअल क्रिएटर ज्योतिर्मय यादव मानते हैं कि आने वाला समय केवल कैमरे का नहीं, बल्कि कल्पनाशक्ति और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के संयुक्त विकास का होगा।

उनके अनुसार —

“कैमरा सिर्फ माध्यम है, असली कला कलाकार के दिमाग और उसकी संवेदना में जन्म लेती है।”

बचपन की जिज्ञासा से डिजिटल कला तक का सफर

ज्योतिर्मय यादव की फोटोग्राफी यात्रा किसी प्रोफेशनल स्टूडियो से नहीं, बल्कि बचपन की जिज्ञासा से शुरू हुई। उनके बड़े भाई जब घर में कैमरा लाए, तभी पहली बार उन्होंने तस्वीरों की दुनिया को करीब से देखा। वहीं से फोटोग्राफी के प्रति रुचि पैदा हुई।

हालाँकि पढ़ाई, नौकरी और घरेलू परिस्थितियों के कारण लंबे समय तक वे इस क्षेत्र में सक्रिय नहीं रह सके। लेकिन नौकरी में स्थिरता आने के बाद वर्ष 2014 से उन्होंने फिर से फोटोग्राफी को गंभीरता से अपनाया। धीरे-धीरे कैमरे के साथ उनका रिश्ता केवल तस्वीरें लेने तक सीमित नहीं रहा, बल्कि विज़ुअल स्टोरीटेलिंग और कलात्मक अभिव्यक्ति की ओर बढ़ता गया।

समय के साथ जब Artificial Intelligence आधारित इमेज जनरेशन तकनीक सामने आई, तब उन्होंने इस माध्यम में संभावनाएँ देखीं और लगातार प्रयोग शुरू किए। इन्हीं प्रयोगों से जन्म हुआ — PROMPTOGRAPHY का।

क्या है PROMPTOGRAPHY?

PROMPTOGRAPHY एक ऐसी विज़ुअल आर्ट तकनीक है, जिसमें कलाकार अपनी कल्पना को शब्दों यानी “Prompt” के माध्यम से Artificial Intelligence को निर्देश देता है, और AI उन निर्देशों के आधार पर तस्वीरें तैयार करता है।

पारंपरिक फोटोग्राफी में कैमरा, लेंस, लाइट, लोकेशन और मॉडल की आवश्यकता होती है। कलाकार वास्तविक दुनिया के किसी दृश्य को कैमरे के सेंसर पर कैप्चर करता है। लेकिन Promptography में कलाकार अपनी मानसिक छवि को शब्दों में ढालता है और वही शब्द डिजिटल विज़ुअल में परिवर्तित हो जाते हैं।

ज्योतिर्मय यादव इसे फोटोग्राफी का अगला विकसित चरण मानते हैं। उनके अनुसार —

“भविष्य में कला और विज़ुअलाइजेशन के लिए कैमरे की आवश्यकता कम होती जाएगी। कलाकार अपनी कल्पना को सीधे *AI* के माध्यम से आकार दे सकेगा।”

वे स्पष्ट करते हैं कि AI स्वयं कोई कलाकार नहीं है। वास्तविक कला आज भी इंसान की सोच, अनुभव और संवेदनाओं से जन्म लेती है। AI केवल उस अभिव्यक्ति का माध्यम है।

PHOTO STORY
E-MAGAZINE

कैमरे से आगे की सोच

ज्योतिर्मय यादव का मानना है कि पारंपरिक फोटोग्राफी मूल रूप से भौतिक विज्ञान के ऑप्टिक्स पर आधारित है। कैमरा प्रकाश और सेंसर की सहायता से दृश्य को रिकॉर्ड करता है। इसके बाद पोस्ट-प्रोसेसिंग सॉफ्टवेयर के जरिए उसे और प्रभावशाली बनाया जाता है।

लेकिन AI तकनीक ने इस पूरी प्रक्रिया को एक नए स्तर पर पहुँचा दिया है। अब कलाकार को केवल दृश्य देखने की आवश्यकता नहीं है — वह दृश्य "कल्पना" भी कर सकता है।

उदाहरण के तौर पर, यदि कोई कलाकार किसी ऐसे दृश्य की कल्पना करता है जो वास्तविक दुनिया में मौजूद ही नहीं है — जैसे किसी ऐतिहासिक महल में भविष्यवादी रोशनी, या किसी भावनात्मक दृश्य में सिनेमाई वातावरण — तो AI उसे शब्दों के माध्यम से वास्तविक रूप दे सकता है।

यही कारण है कि Promptography केवल तकनीकी प्रयोग नहीं, बल्कि कल्पना की स्वतंत्रता का नया माध्यम बनती जा रही है।

"Prompt" केवल शब्द नहीं, भावनाएँ हैं

"**ए**क विशाल बरगद के पेड़ की घनी छाया के नीचे ग्रामीण भारतीय दृश्य, शांत नदी का किनारा, काले-सफेद सिनेमैटिक फोटोग्राफी शैली, पेड़ के नीचे सफेद देसी गाय आराम करती हुई, उसके पास एक ग्रामीण व्यक्ति धोती-कुर्ता और पगड़ी पहने जमीन पर लेटा हुआ, गाय के सींग पर बैठा सफेद बगुला, नदी में एक लंबी लकड़ी की नाव, नाव में खड़ा नाविक लंबे डंडे से नाव चलाता हुआ, दूर ग्रामीण पेड़ और धुंधला प्राकृतिक परिदृश्य, पानी में हल्के प्रतिबिंब, शांत और भावनात्मक वातावरण, भारतीय गाँव की आत्मा, हाई डिटेल टेक्सचर, नर्म प्राकृतिक रोशनी, डीप शैडोज़, अल्ट्रा रियलिस्टिक, फाइन आर्ट फोटोग्राफी, मोनोक्रोम टोन, वाइड एंगल कंपोजिशन, *cinematic composition, ultra detailed, masterpiece, 8k, realistic shadows, atmospheric depth, timeless rural India."*

भविष्य की फोटोग्राफी और AI

ज्योतिर्मय यादव के अनुसार आने वाले वर्षों में Promptography फैशन, विज्ञापन, सिनेमा और डिजिटल कंटेंट इंडस्ट्री में बहुत बड़ा परिवर्तन ला सकती है।

पहले जहाँ एक फोटोशूट के लिए भारी बजट, लोकेशन, मॉडल, सेट डिजाइन और टीम की आवश्यकता होती थी, वहीं अब AI आधारित विज़ुअलाइजेशन के जरिए कम समय और कम संसाधनों में प्रभावशाली चित्र तैयार किए जा सकते हैं।

हालाँकि वे यह भी मानते हैं कि पारंपरिक फोटोग्राफी कभी समाप्त नहीं होगी। बल्कि भविष्य में कैमरा और AI दोनों मिलकर एक नया "हाइब्रिड विज़ुअल आर्ट" तैयार करेंगे।

यानी भविष्य का कलाकार केवल कैमरा चलाना ही नहीं सीखेगा, बल्कि विज़ुअल भाषा में सोचना और AI को निर्देश देना भी सीखेगा।

एक सफल Promptographer की पहचान

ज्योतिर्मय यादव के अनुसार Promptography में सफल होने के लिए केवल तकनीकी जानकारी पर्याप्त नहीं है।

एक सफल Promptographer में तीन महत्वपूर्ण गुण होने चाहिए —

1.कल्पनाशक्ति

2.तकनीकी समझ

3.पारंपरिक फोटोग्राफी का ज्ञान

लाइटिंग, कंपोजिशन, फ्रेमिंग और कलर थ्योरी जैसी पारंपरिक फोटोग्राफी की समझ AI जनरेटेड इमेज को अधिक यथार्थ और प्रभावशाली बनाती है।

वे कहते हैं कि —

"सफल Promptographer वही है जो कलाकार भी हो, तकनीक को समझता भी हो और विज़ुअल भाषा में सोचता भी हो।"

युवाओं के लिए संदेश

युवा कलाकारों और फोटोग्राफरों को संदेश देते हुए ज्योतिर्मय यादव कहते हैं कि तकनीक से डरने के बजाय उसे अपनाना चाहिए। लेकिन केवल AI पर निर्भर होना भी सही नहीं है।

वे मानते हैं कि कलाकार की असली पहचान उसकी मौलिक सोच और संवेदनशीलता में होती है। इसलिए हर कलाकार को लगातार सीखना, प्रयोग करना और अपनी रचनात्मकता को विकसित करते रहना चाहिए।

उनके अनुसार कला केवल सुंदरता नहीं, बल्कि समाज और भावनाओं को व्यक्त करने का माध्यम भी है।

PROMPTOGRAPHY केवल एक नया शब्द नहीं, बल्कि विज़ुअल आर्ट की बदलती दुनिया का संकेत है। यह वह बिंदु है जहाँ तकनीक और कल्पनाशक्ति एक साथ मिलकर नई कलात्मक संभावनाएँ पैदा कर रही हैं।

ज्योतिर्मय यादव जैसे कलाकार इस परिवर्तन को केवल स्वीकार नहीं कर रहे, बल्कि उसे नई दिशा दे रहे हैं।

शायद आने वाले समय में कैमरे से ज्यादा महत्वपूर्ण होगा — कलाकार का विचार, उसकी संवेदना और उसकी कल्पना।

और वहीं से जन्म लेगी भविष्य की नई फोटोग्राफी —

PROMPTOGRAPHY